

DPN 5434

Title: तन्त्र, मन्त्र व जन्त्र TANTRA MANTRA VA JANTRA

Run. No. 6125

Cat. No.

Micro. No.

Subject *तन्त्र मन्त्र* Tantra Mantra Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 31 x 13

Folios 28+6 Lines (in a page) 10 generally irregular

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.: *None drawings*

Material: palmleaf / paper / *thya*saphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

Remarks: *वैदिक मन्त्र, वासि,
इति ग्रह शास्त्र आदि मन्त्र
तन्त्र
Medicines of various diseases;
Mantra & Tantra for
evading various evil
spirits etc.*

[illegible]

25

20

15

को
सि
म
ह
या
आ
क
या
र
आ
आ
या

धृथभादस्याकयाविधि८रुवकुद्यासःमात्रातिःत्रिःथतकुर्ह्यादंदिम्या
वर्कभादस्याकयाताडाकु॥ ॥युवकैरःआरवदनपाकैभादस्याकयाताडाकु॥
युवकैरःसतयावुताडापायभादस्याकया॥ ॥क्रा०-त्रिःकुसोनयामूरवृत्तिकसु
रःप्रकटिरःहिडाआपाकैभादस्याकयाताडाकु॥ ॥काथननःआरवदःकसुतथम
हिस्यपाकैभादस्याकयाताडाकु॥ ॥कनवितरानःकसुतःप्रकटिरःहिम्यापाकै
भादस्याकयाताडाकु॥ ॥धृथसुतडाआविधि८आडिनःरुजातरःप्रकटिरःप्रवय
तथमहिडाआपायःसुतडाआगतिःकनतिमंगुतियायायकु॥ ॥गुसकिनपा
यसुतडाआयाताडाकु॥ ॥कयतासुतडासुतयानडाकैभासकसकुताडा
पायःकयतासुतयातिःकु॥ ॥धृथवाताभाविधि८रुवकिरःकुःकुःखिविकि
धायाःरिखसुतडाआवनकैखाताययकावतःयावृतिरिखसुतडाआवनकैखाताययः

10

5

खा
ता
को
या
या
मिन
पू
क
या
को
आ
क
या

कैसतिःहिडाआकुसुतरागियाःकनखामरागियाःतःकुसरागियाखाताया
रिःकु॥ ॥यवदःकुःसुतडाआसिगुःकुःरःथतवाताडावनकैभासवुयकैखाता
तायाताडाकु॥ ॥धृथमिनपूकयाविधि८आसिगुतिःनपायःमिनपूकयाताडा
कु॥ ॥विःकुःसुतयाताडाआनकुयमिनपूकगुतियुमकुयुकेःयंयमकुगुय
कायातासिखसुतडाआतःधृवाकायातामिनपूकगुतिसुतयकैकु॥ ॥कु
ताडाकु॥ ॥गुतिःकुकेयादुगुकुकाताकयवकनगतायाताथनतिनहोयमिनपूकया
यकैमिनपूकयाताडाकु॥ ॥धृथथकाताकयाविधि८वाकुषाःरमायाताकाया
हिस्यवनकैथकाताकयाताडाकु॥ ॥रुसुकगुतदासिताडावनकैथकाताकया
ताडाकु॥ ॥सखिमिनवायकाताःखातयनकाताःथरःपसःखयिनयाकैमिस

0

CM

5

10

20

25

30

35

40

45

२ डुसा लंत कलवा स गड गड गिक गिक रुता तित जिहिर क जित सा जिवात
 ॥ यम सात य कवी नादि रिमनात वदिमान निमृक्क ७ थुय सास
 ला गन सुक ७ १ डुड क ७ १ यल प्र १ धनी मिय ६ थुय ५ थुन ल यन य
 ड मद्रा वाग नाग ना ७ नि ७ य ५ ॥ १ ॥ गल प्र ७ विनी सयन सा नद्रा ७
 रि नद्रा य ७ दिया लता सुसमिद्रा सु ७ ग ७ ल ७ डुं गु या द्रा ७ प्रिय ५
 लं वरुं १ २ थुय ककदा या ग गल ७ यन कूट ७ मरु लवं लाय सुदन
 स्य ७ विविल मन ७ ७ ७ मिदि सद्रा म द जी य क मला ल न यु ७ लकी
 ७ ७ थि दे व दानु का का नी गिल का का नी वा ल ७ य नि मं स ३ ४ ५
 नि क ७ २ लं व क ७ २

बान्धावनाशुभ

॥ १०८ ॥

२५३

१०
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

महावाग्विष्णु

शे-दं मूलद्रागयति॥ म न्या-दु गुया-वद्यायावहियायामसलऊ सि
यादाग-मलजाया ऊ गाय-वतबुनीया यलाया-थु तियानामदग जीवनीमय
ठिरुलायुतिप्र १ लंनरुं ६दा स्यलनक-हं २३ सदाकमल-युतिप्र ६ दल
३६ सायु ६ सादु १३ ददय १३ ध नितिप्र १३ ५ गजीवनी यु तिबुन्य-मा
द्रावागयाक कनथ ॥ ११॥ ६ ग मलरु दियाल लंनरुं मला ६ यु म नदयकं द
स्यलडं नकं नकं कय अतिव-थुयन-वादा साकं सा मव-दु मय-थु
लागनाग उव ॥ ११॥ ६ दू लानमं स ३ ग द गु मं ल ६ स लिलहा सु १३ गी
थ गुगान लोहन-यय गुग-याल डन नि-विमुनि-वुकिमं स ३ कुकि ५

सामेमा २ वाग

ल लैलाय ५ गुं ॥ ३६ दू र ग-दयकं दस्य-लनकं वातनागनाग ॥ १२॥
लाहा-यक ६ कू ६ स्यल-युतिमं स ३ साय १ साभिय १ ३ न मिय-यथि
आथि त्यानु वातनाग उव ॥ १३॥ सेंगाल मुग-ल्य दू। सेंल-दवी स गु डिमल
६ हा-मियक मिकी ६-साधिननीस्य दयकं वाय-अथि स्याक वातनाग
१०॥ नुस-रु क जिल-माहा वि न-न क यल्लन-वादा १ लाहा-समला गव
मं स १ ललै तय-साय १ सूर्य वाययाडं-याय वातनाग ॥ १५॥ शे दं
की लो ल द्रामल-इल थन वुसल नि सानवाहा-लला साधिन नि स्य वाय
न क वात-लना स्य लै वनयाडं सम स वातनाग ॥ १०॥ गलैला भव्यदक

महावाग्विष्णु

卷之四

क्रिह्वातविष्महस्ययागि-दायक-सवनयाड-वातागनास॥११॥
 दुन्दुभ्यवातगुण-यवसुक-सुल-ह्वाथुयसु-नमानातल
 स्थिपय-लंघननिर्मायाकनययंतत-वातन-प्रतिष्ठाथि-साक्षित-स्यार्क-य
 श्रव॥१२॥ सुल-ह्वावदियातल-मयथि-का-का-सल-कून-सा
 दिननिर्मा-दायक-या-य-साक्षित-सवातन-स्यार्क-या-ना॥१३॥ वायुत-यु
 नाया-यु-यिम्नि-कोश-या-हा-वदियातल-सुधिननिर्मा-दायक-या-य
 उल-हादियं-मडु-या-हा-गना-सुव-१५-कल-हा-सुधिन-यु-य-साति
 लीव-क-सिया-हा-वदियातल-ह-स-य-ना॥१६॥ सा-र-सिया-की-उ-उ-

३ भाग ॥ न कथा ॥

11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200
 201
 202
 203
 204
 205
 206
 207
 208
 209
 210
 211
 212
 213
 214
 215
 216
 217
 218
 219
 220
 221
 222
 223
 224
 225
 226
 227
 228
 229
 230
 231
 232
 233
 234
 235
 236
 237
 238
 239
 240
 241
 242
 243
 244
 245
 246
 247
 248
 249
 250
 251
 252
 253
 254
 255
 256
 257
 258
 259
 260
 261
 262
 263
 264
 265
 266
 267
 268
 269
 270
 271
 272
 273
 274
 275
 276
 277
 278
 279
 280
 281
 282
 283
 284
 285
 286
 287
 288
 289
 290
 291
 292
 293
 294
 295
 296
 297
 298
 299
 300
 301
 302
 303
 304
 305
 306
 307
 308
 309
 310
 311
 312
 313
 314
 315
 316
 317
 318
 319
 320
 321
 322
 323
 324
 325
 326
 327
 328
 329
 330
 331
 332
 333
 334
 335
 336
 337
 338
 339
 340
 341
 342
 343
 344
 345
 346
 347
 348
 349
 350
 351
 352
 353
 354
 355
 356
 357
 358
 359
 360
 361
 362
 363
 364
 365
 366
 367
 368
 369
 370
 371
 372
 373
 374
 375
 376
 377
 378
 379
 380
 381
 382
 383
 384
 385
 386
 387
 388
 389
 390
 391
 392
 393
 394
 395
 396
 397
 398
 399
 400
 401
 402
 403
 404
 405
 406
 407
 408
 409
 410
 411
 412
 413
 414
 415
 416
 417
 418
 419
 420
 421
 422
 423
 424
 425
 426
 427
 428
 429
 430
 431
 432
 433
 434
 435
 436
 437
 438
 439
 440
 441
 442
 443
 444
 445
 446
 447
 448
 449
 450
 451
 452
 453
 454
 455
 456
 457
 458
 459
 460
 461
 462
 463
 464
 465
 466
 467
 468
 469
 470
 471
 472
 473
 474
 475
 476
 477
 478
 479
 480
 481
 482
 483
 484
 485
 486
 487
 488
 489
 490
 491
 492
 493
 494
 495
 496
 497
 498
 499
 500
 501
 502
 503
 504
 505
 506
 507
 508
 509
 510
 511
 512
 513
 514
 515
 516
 517
 518
 519
 520
 521
 522
 523
 524
 525
 526
 527
 528
 529
 530
 531
 532
 533

ललाकदु (ये) ह
का कजं दाना। वृद्धले... हाथना... भागना... ॥ ३३ ॥ देन मूल ३ वंद
किमि स ३ डिडि व ६ द विवव सु धिनि... प्रसूता मन नर उ थ्यत्यर्म स का
या ३ शोय का कर्त स्वम को स्यात्वन के व्याम ग यथा थिलि नि ल ज न मा ९
कया ना ३ ॥ ३४ ॥ मा कुरु कलय प्रा यु उ यि यि य वृद्ध क १ ल स्वप्र २ दा य
क वा ता व-शो कि क रि का स्यां या कि पा ता व का र्त ल म स वांग मं य या प्र
ग ना ॥ ३५ ॥ ग म उ त्रा यो या सा क वा वे सो मि स नि ह्यं ण य ले व ल य ड

9

निषि याउक पिअधाठ याः कपखात याः निषि का कया विधिः मरवः थूव
 निहुडाः लातः मिनकाकाडाः डा सडा ताडा कानक पिअधाठ या न
 मिषा सः अतकवू यातडाः निषि का कया विधिः
 लात याडा सलः का ता सान याः लाः सववः ता थू सीनाडा
 नियाः का पल सप्य विना कू द्वा कानः लात सका खा य का
 मात ला य का स ला कानः लात याडा स व नू थू तु गड घा स
 ला तिनाडा तयः व मरुकाः तिना न य थ गड दू स न याडा थू
 य या य

काम कामना नदछि निदया पुलागया हिं गलंषया वि ३ ग्याल ३ नाकि मंस व हक मंस छि वि
 जात वचि म्वमनाया चुमना रू के दायक जातडा यडा लेखन क जात न नान जात ला
 या अजल ॥ ॥ हियु वधे रडा या या वग ॥ चिनु या हा तिनाडा ग्वचा कडय काडा न
 हियु यनपाके ॥ हियु यान नाने ला ०० डाल ॥ ॥ मनुषया विहयाडा जडा धके
 याने रसाय डधके गय वडा धके रसाज डधके गय वडा गून नाने लायु डा रल ॥
 सामय चिलाड निया मंग कुलायान हयाडा घात साग विया नाने हिधामरू ०० डाल
 मिखाया चिलाड निया मंग कुलायान हयाडा घात साग विया नाने हिधामरू ०० डाल
 या हिधामरू ०० डाल

ॐ क म

पाने व

हि-चा

五

या



2537

प

पकाचिकं — पत्र १ मूदासंष संस १ थूतिनिगनपक्रानाडादायकं लिपगसूक्रना
 अनियउकंसहजथासूयकः उकंसननानैला००डा — ॥ ॥ हिचोहाकयाडाससला
 कूकूलैरुत्रयाहा — गाला १ षयमगयू गाला — ॥ निनाडासकयाडा चुमात्रा
 यात गाला १ चिनितयाः आद्याचानाकिसीला उक्रियागितयागोनकं हिचोहाक
 याननानैला००डा ॥ ७ ॥ रित्रिगिशयाः कसुधुत्रि संस — १ धोयालाकुकुल
 दायकाडानकः सूवाधेयाययू चिचिकं माडंफाल् थूतिचिजनमगिडा रित्रिगि
 नतानला००डा ॥ ८ ॥

三

五

四

५

...

五

五

奇

दो श्री ॥ ममदा काः पतारः जरेड को पतारः जेरिकोः चयिनः भुमरामाः साकाडैः रादा गतिः लग्ननिक
 सेदिनः गहरवातनी कोहुद ॥ ते श्री ॥ काखरेलः अरेडिनेलः पोतामा लाडनु ॥ सुनिया को वसहुद ॥
 श्री ॥ असेरु काकोफलः घोतिः मरिआधा दानाघातनुः वंदरा रुक्मागरी लाडनु ॥ सुधहुद ॥ ॥ पंरुम
 ॥ ममानिकोः मरताः पिनिः योमाः वंदन रुक्मागरी लाडनु ॥ ३ मानिकोहुद ॥ ॥ इत्थोर ॥ यरा
 मानिसकोः तावको ल्याडः धोनिराहदिनः जहरवातनी कोहुद ॥ ॥ सानथो ॥ कुलधै गाः मासा ६
 सकोफलमाः यहेरछादिः सेतालनुः परगनुः तदलेय लानुः जहरवातनी कोहुद ॥ ॥ ॥ वहिलाका
 कोदवाड ॥ ॥ निवारि थरिका मुतमाः सीधुनुनः हालिः सुर्जपाधरनुः तदकानमा हालनुः वहिला नि
 हुद ॥ ॥

क्रिया
मन्त्र
ध्वज
मिरा
सुवुडिया

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धाल १ किमिर्मनु ॥ ध्वज ॥ सिद्धा १ कूट १ मायूकहा १ यलकम
नम १ सूक्ष्मम १ पीयूषगुलिहागउतिः ॥ रूका १ ध्वज १ ध्वज ॥ ॥ काकनयातिमिखासुधनवुडा
॥ काकनयाहा पूरुगुचाकहागउतिः गय नस्य चनक कलसयानासः ॥ ॥ गजिया
दचिस्यः साधलसदायके ध्वनकाकनउने फसर्न थाकया ॥ आकाचलियाजिडा ॥ ॥ कथलजुडा
याधालयावासलः कृया क्रियुधुधन धालनागनास ॥ ॥ वयडायावासल वागूधठकयाव चाला
कयाववूय धयवगनास ॥ ॥ अमार्गयाहानस्येनक अंवलपितनास ॥ अंवलपिया ॥ खूला
लपगयाहाः लखसुनस्येनक चहखुनिया क्रियु ध आसुमनया ॥ ॥

आकाच
लिया
कथलजुडा
वयव
गया

हसया
वाच
पिक्का
कग
कानया
अगुया
गरेगया

गजि गोला १ रूम्मेसद मजिच गोला १ पियलि गोला १ लवमेस १ जितरुलमेस १ निलिमेस १ वदचि
मेस १ स्यधचिमेस १ माधचिमेस १ अजम्मेस १ दिउमेस १ धलमेस १ कलजमेस १ धतचूर्नयानाव
गाने रुसयानेतिगुजल ॥ ॥ पीतल्लोक ॥ सुनिसुव निस्यकाकदास्य गानके पितल्लोव ॥
॥ मकारीयाकेव निस्य त्वनक अंवन पितल्लोकेजल ॥ ॥ उं गुम्माहाः गरवानिजलालनिकनायनजन
पहिजाभाहैह स्वाहा ॥ एज पयसधमेवासादधनः वलरुनियाः प्रथसुसिनथव नामवासादधनः धालसकायः
नताः लवनः मालिचः जितरुलः सजवावः जयप्रतिः सधविः सलागेनबडधनकाडाः सजानतिसजानाडानकड
कसः कृगनकमानः कामवलमववक्रयाकामवनरयाः खूनाइइल ॥ ॥ उं उखायथामाः पखालथा
माथामावजुकः कवानन उं ऊदटस्याहाः धाल १ रागयायवानगुहनिया अभिनचाडापवालथा
मरुगुजल ॥ ॥ विकुनवदनरु धिजासनयाहा टिंसरुनेसनिहाय प्रमृनधियाध
कैरुस्वाहा ॥ धन ॥

25

20

157

+

0

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

CM

5

10

20

25

30

35

40

45

[illegible][illegible]

ॐ ग्रागुतुभाज्याकिसनातिनादवकुंरुदस्वाहा॥ धारा १२ भातस्य कप
ॐ नभाकुंरुद मचिषहिंरुदस्वाहा॥ धारा ७ न्मवा कन्वतवाकग













रतिवृत्तमङ्गलिका

थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
स्य राः मङ्गलिनिया यतः का



थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ
अङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ
कूयः अङ्गलिका सा थ

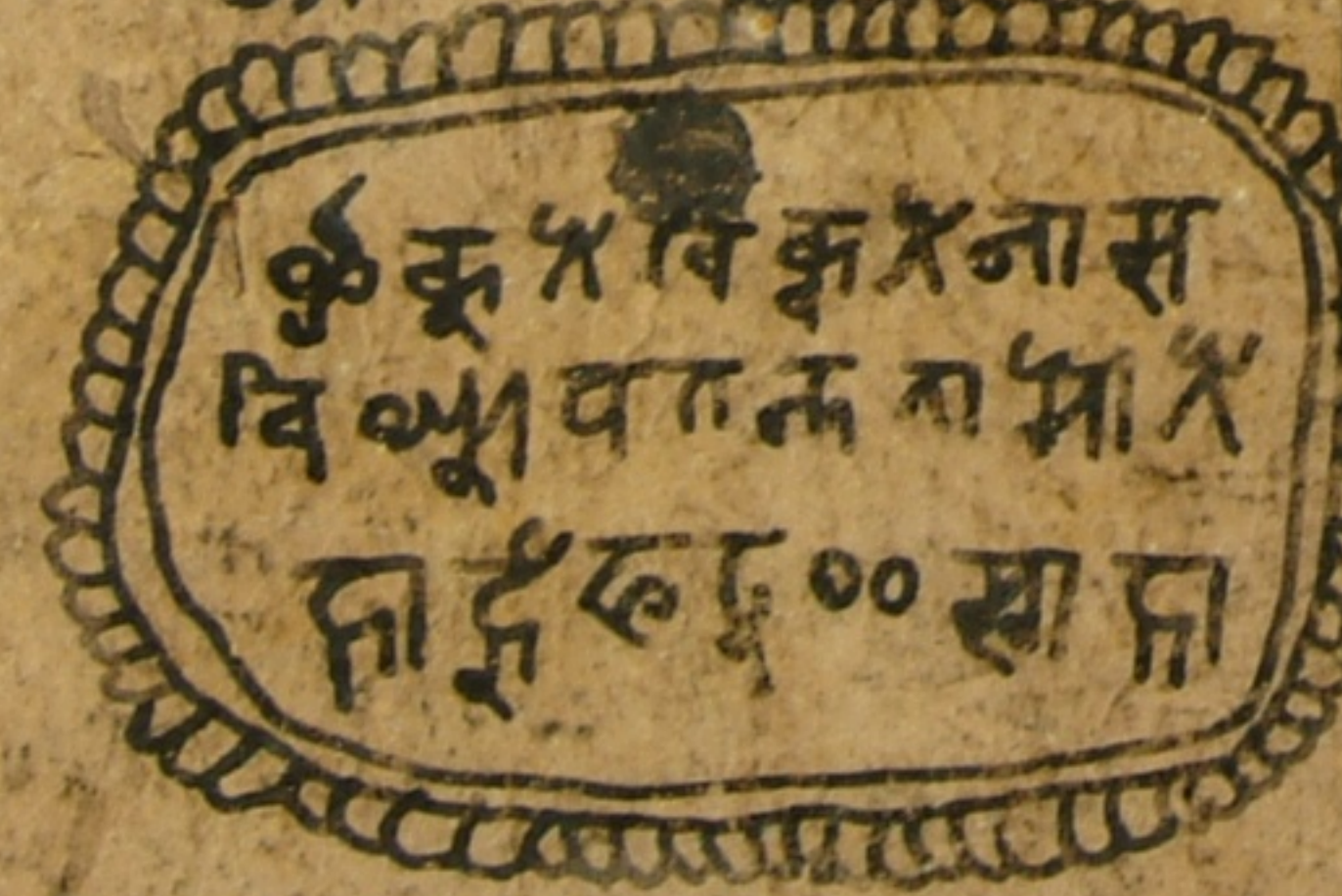


थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
वी स्यात् का वा निसः वी स्यात्
वृत्तः मङ्गलिनिया यतः का



मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ

थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ
अङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ



थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ
अङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ

थरुः वृत्तः पुरः सः वरः वदनः
कुं कुं मनः नानः वी स्यात् का वा
मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ
अङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ



मङ्गलिका सा थरुः वी यतः थ

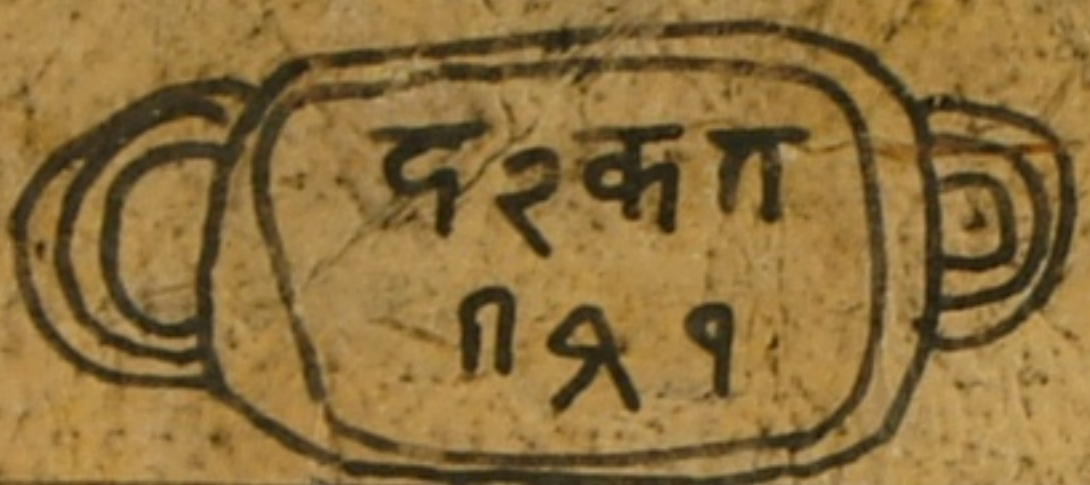
मि सारः सा

थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 कोयाओथरुं प्रसधादवि
 र्णशठयाखदुकासथुं
 गमासुनरुनायमद
 यकातजाथ



थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 फिनदीय (ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं) फिनमा
 इदनहि याकिडा
 रजाथ

थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 नदीर्यथडाकीनभूयाकजाया
 कैमयाकरथुं गुतजाथ



थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 नदीर्यथडाकीनभूयाकजाया
 यथडायापातयानागुति
 नरकयो (डातजा) थरुं



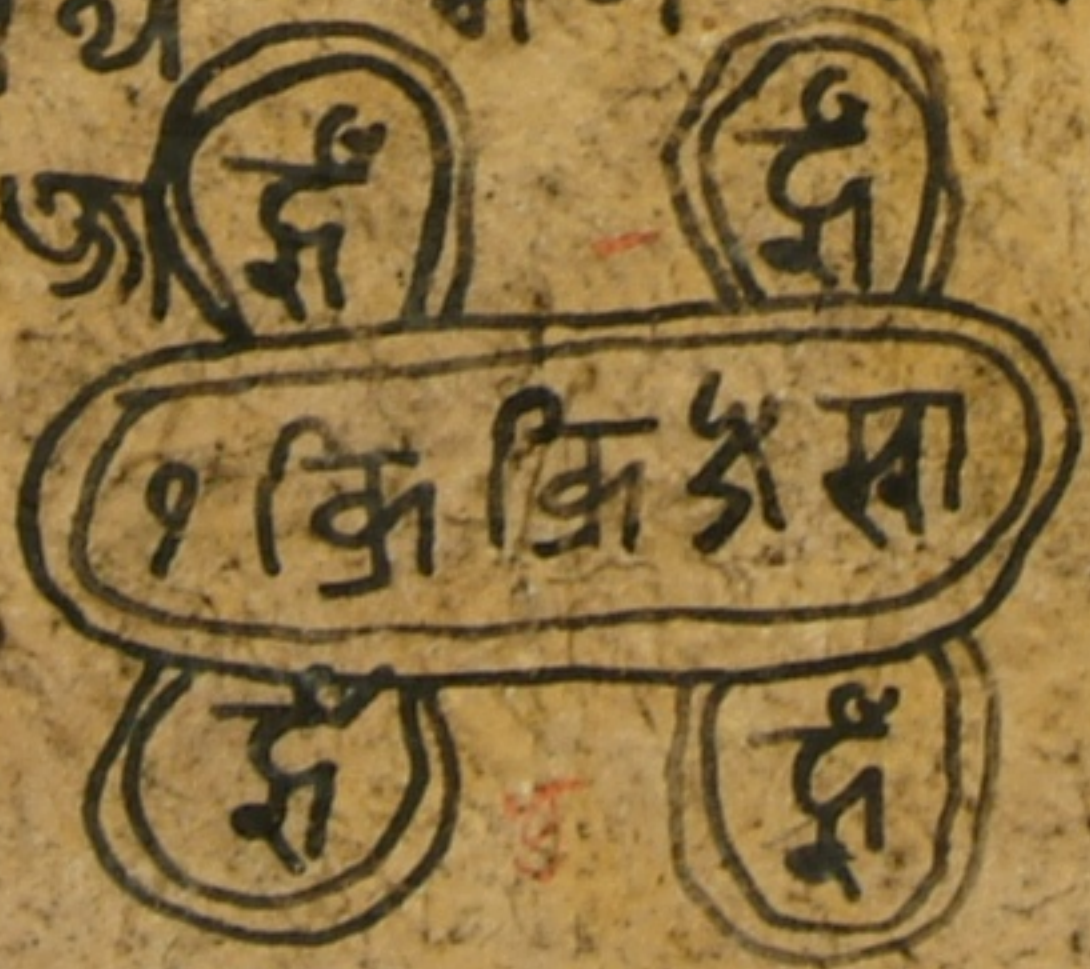
थरुं प्रसदिग्वरिगाकि

थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 कोयाओथरुं प्रसधादवि
 र्णशठयाखदुकासथुं
 गमासुनरुनायमद
 यकातजाथ

थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 रवदनःकुं कुमःमनहि
 रतवास्याथडाःकुं सठ
 वागभन (व) इतसा
 थरुं प्रथ (व) डागाय
 ६ वा तन



थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 डाशाग्रां भूथुं डाथा
 यसाथ मन आययात
 थरुं प्रथ (ह्रीं) (ह्रीं)



थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 सिनदीर्यथडाकीनभूयाकजाया
 वूयामनुय वमूनमडाव
 रत्यति नविमडा
 नमाति नानडाय
 इत

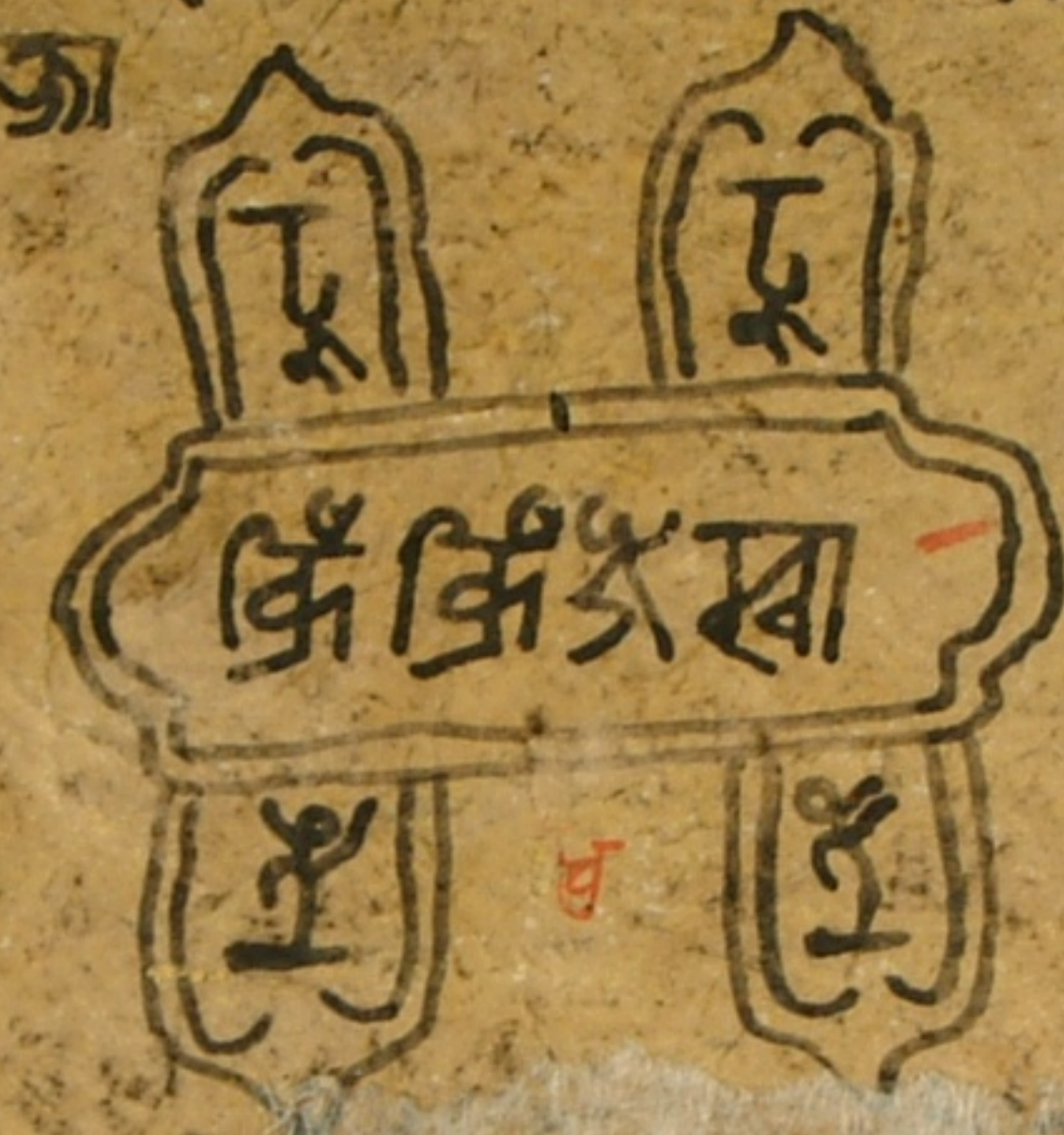


थरुं प्रसदिग्वरिगाकि
 थमंनुयायमातःसिदीगुय
 आगमा८कुं वातिनिवदंवातीया
 वनिडाधति२दूरुसाला

ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 कुंकुमः मनसितः मनसितः
 तनवीर्यः को आसक्तः साधनः
 कीसथुनः मिसाकः मिसनः
 कृतसांता मेषः यमात



ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 नः कुंकुमः मनसितः तनवीर्यः
 तनवीर्यः को आसक्तः साधनः
 या इं थुडं तायागुमगात
 कृतजा



ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 स्यां स तु माखडकोराम
 सान स थुडं तायागुमगात
 नरुम

ल	ल	ल
ल	धव	ल
ल	ल	ल

सुखमादनयाय

ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 शीर्षवदितियापुत्रया स्याता
 तिसागस्यं स गामसक्रित
 यक



ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 कुंकुमः मनसितः तनवीर्यः
 तनवीर्यः को आसक्तः साधनः
 रजा थ



ॐ ह्रीं वरुणाय नमः
 तनवीर्यः मनसितः
 कुंकुमनः वीर्यः को सा
 यकं थर्मठानठान
 कुका इंसि विरुय
 अर २४

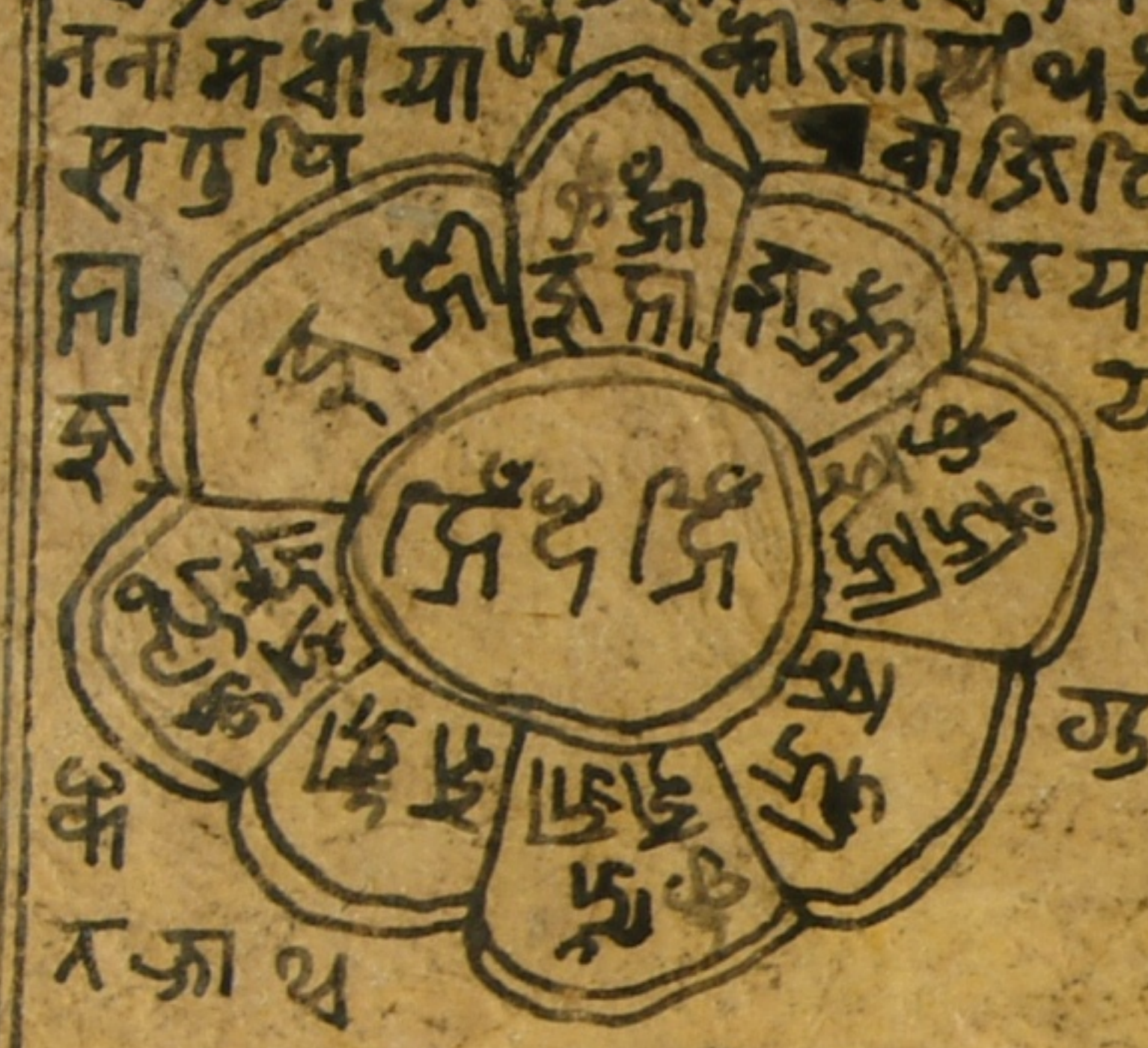
६	१०	१०
३०	४०	७०
४०	५०	३०

युग्मं यमनसिदि

थव या सुवगीरुयि

सुप्रसन्नपिपासाय प्रणम्य नमः

थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
ननामक्षीयाज कोलायन
सगुपि नयय
नरु
की
रजाथ



थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
सुन
मन
धन
स
ड
या
शिवपदय
रुयुडातजाथ



थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
ननामक्षीयाज कोलायन
सगुपि नयय
नरु
की
रजाथ



अक्षयसुखसाधनया

थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
ननामक्षीयाज कोलायन
सगुपि नयय
नरु
की
रजाथ



थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
ननामक्षीयाज कोलायन
सगुपि नयय
नरु
की
रजाथ



थरुगः वरुपुत्रसः खरवदनः
ननामक्षीयाज कोलायन
सगुपि नयय
नरु
की
रजाथ



अक्षयसुखसाधनया

30
25
20
15
10
5
0

CM 5 10 20 25 30 35 40 45 50

[illegible]

A circular diagram, likely a Sri Yantra or a similar sacred geometric figure. It features a central circle containing the letter 'व' (V) and a 'ॐ' (Om) symbol. This central circle is surrounded by a ring of letters, including 'ग', 'ङ', 'क', 'ख', 'ग', 'ङ', 'क', 'ख', 'ग', 'ङ', 'क', 'ख'. The entire diagram is enclosed in a square frame with decorative corner symbols.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ



तारुमहनी

ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ



ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ



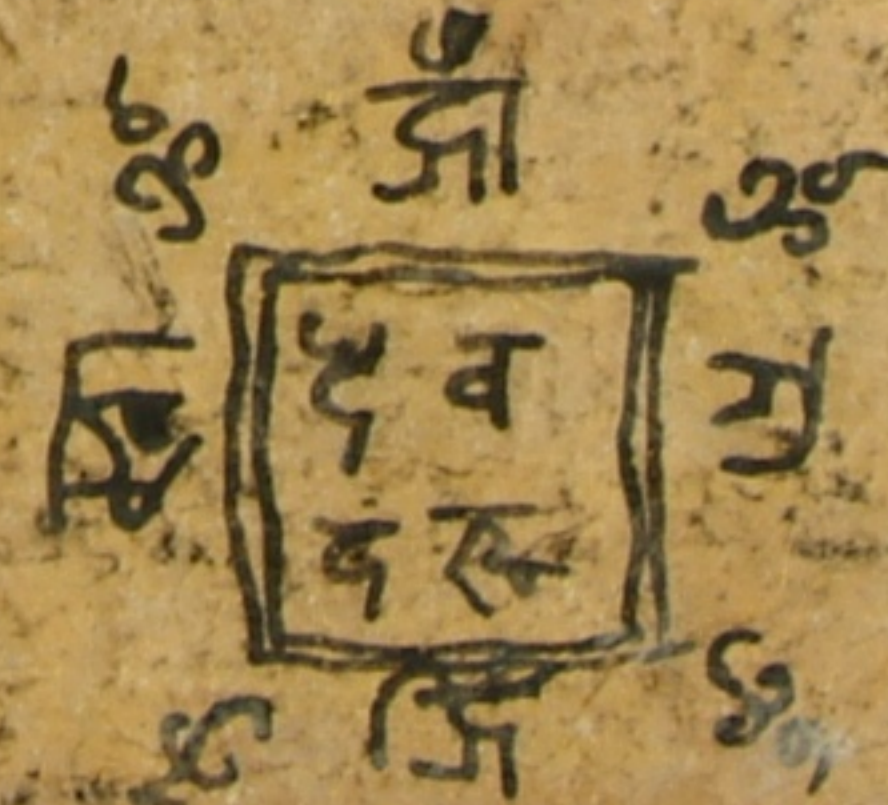
ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ

३४	४१	२	७
६	३	३६	३७
४०	३४	८	१
४	५	३०	३०

ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ



ॐ ह्रीं वृषभपुत्रस्यः शिवं द
नक्षत्रं कुम्भमनः शिवं द
सति शिवं गणेशं काकापुत्रं
नक्षत्रं पुत्रायाः दण्डाय स पुत्राय
मुखं वंद्यं नमः शिवाय ॐ



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

१ प्रथमस्य धृतिरित्याः धृतरित्या धातवः
२ शकृत् ३ मृशानया कृत् ४ यथ ५ न ६ अ
७ या ८ अ ९ इत्याः साधनवृत्तयश्चातथ
१० सा निवर्तककृत् सा प्रि सवाप्ता
न दृयकोऽवृत्ता या य मा तथ व मुन
क कि क्वं व स्य रु यु ऊ रु ॥ मं न ॥ किं सि
दि गु रू धा ग म ४ कं रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं
त कि वा वा ॥ २ ॥

थरुं प्रवृत्तयः प्रसूः प्रवृत्तयः प्रवृत्तयः
 नवीनं प्रवृत्तयः प्रवृत्तयः प्रवृत्तयः
 प्रवृत्तयः प्रवृत्तयः प्रवृत्तयः

कूकयाविधाउवराजसिद्ध
तिवनयाविकरवूनकासिद्धमा
रपद्वयविकमा



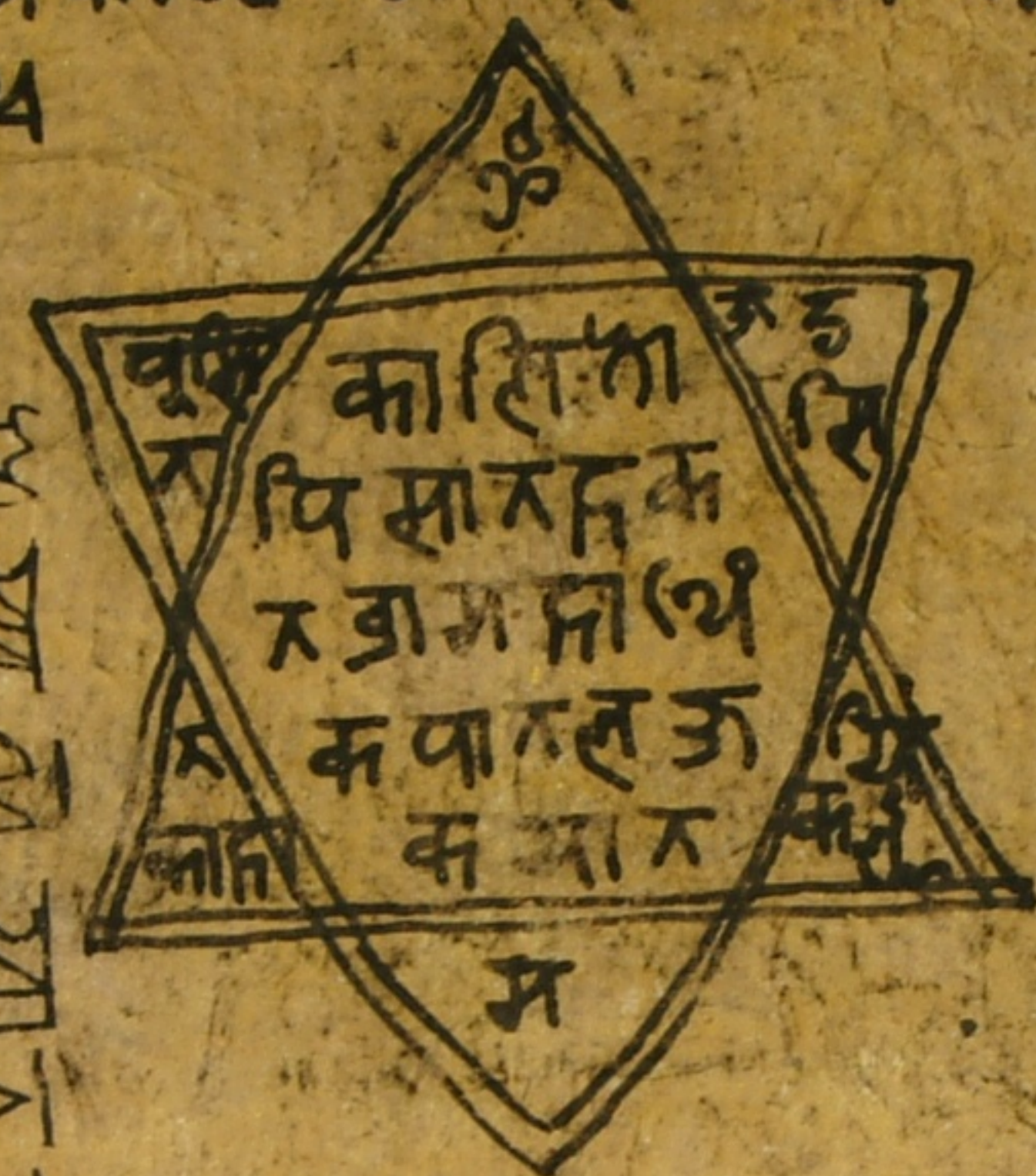
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
गंधनदीयज्यासादृति
इत्यं तस्मात्
तज्जावि इत्यं यथा
भवनमस्तु यथा मया
मध्यं नमो का
गुरुता

ॐ नमो का
मू जाद वि
मावितास
म ००

五

२४ श्री गणेशाय नमः

अङ्गुष्ठपङ्कजस्य त्र्यंशं पतङ्गकुम्भ
काथयन् नदीस्यैव स्रष्टुं स्वके
स्यैवाद्यत्तु त्र्यंशं स्रष्टुं स्वके
२५



五ノ二ノ一ノ三

धरु गुरु पण्डितः ज्ञानवन्दनस्तु
 अक्षयवन्दनवी यद्वत्तस्तु
 स्तोत्र १००० तु कानवी यस्तु
 सतयाक्षी यस्तु यस्तु यस्तु
 तय यस्तु यस्तु यस्तु
 यस्तु यस्तु यस्तु यस्तु
 नस्तु नस्तु नस्तु नस्तु
 नस्तु नस्तु नस्तु नस्तु



थरुः रुद्रपत्तः जगत्
नकुं कुमनवी स्यात्
रस्य मकसं हि ह
आथ रुद्रपत्तः



एकताया विदुय

[illegible]

मिखा यथा कया बुद्ध्या
या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



म विवादा म वा म

अरु वरु पत्र स गव दन
कुसुमी ननः शस्य की खाय
कौ वा न क भा वा पा आ मु वा
आ या न आ थ



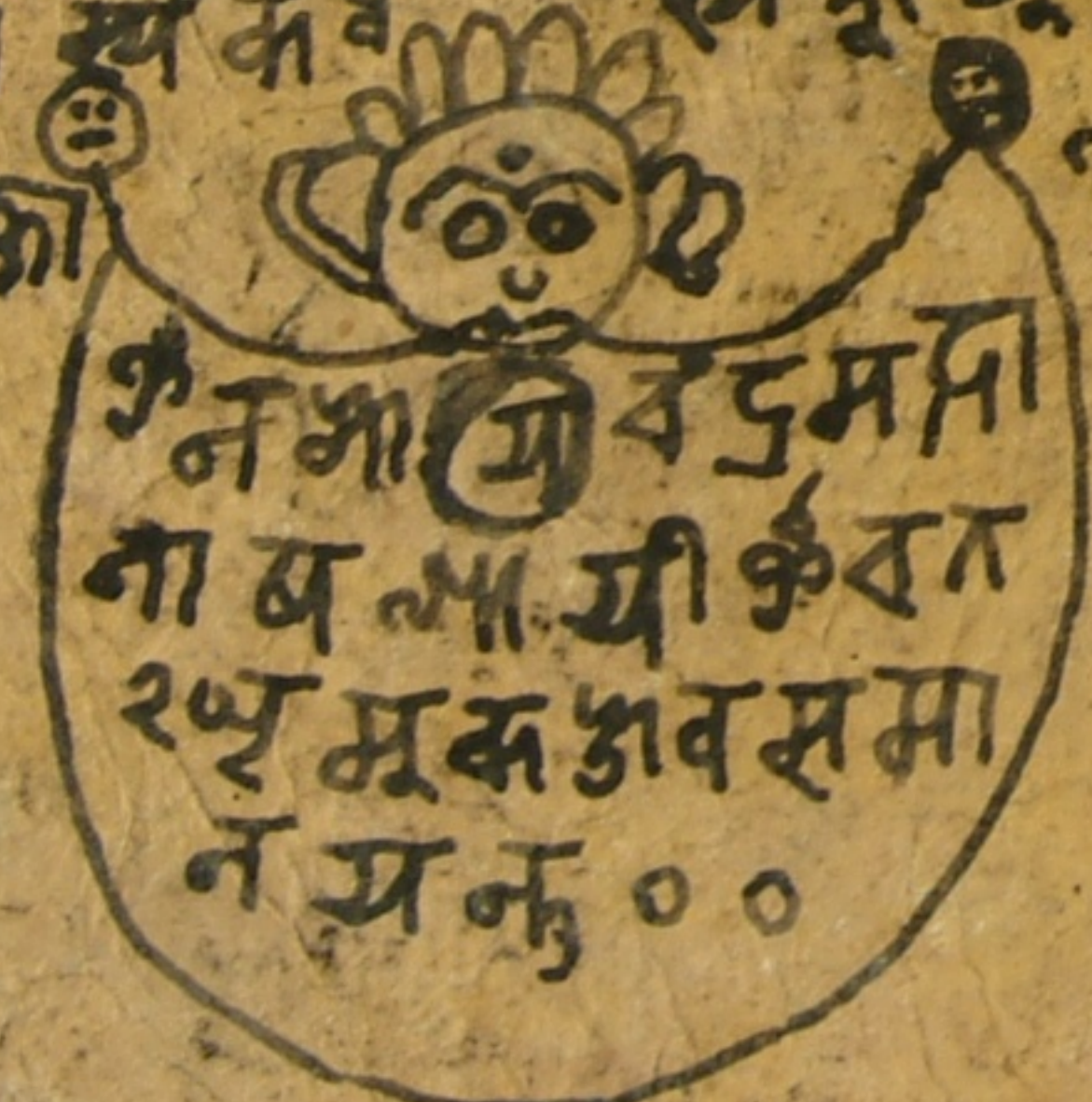
अरु वरु पत्र स गव दनः सित
नः शस्य की खाय कः भव न त ख ग
य का तु म य न कः गुं त का थ क

ॐ	ना	ता	तु	रु	सु	र
ना	य	र	ह	रु	म	ना
स	म	क	म	रु	र	नु
व	रु	र	म	क	रु	र
व	द	द	क	र	म	०

अरु वरु पत्र स गव दन
कुसुमी ननः शस्य की खाय
कौ वा न क भा वा पा आ मु वा
आ या न आ थ



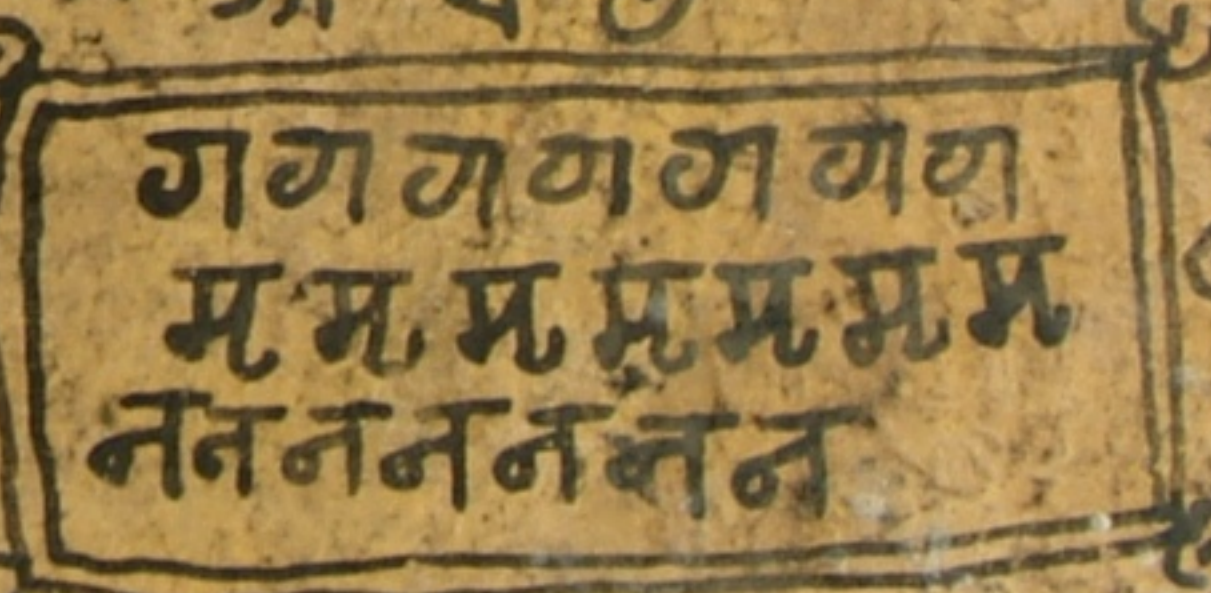
अरु वरु पत्र स गव दन
धरु धरु ननः शस्य की खाय
कौ वा न क भा वा पा आ मु वा
आ या न आ थ



अरु वरु पत्र स गव दन
मन सित ननः शस्य की खाय
कौ वा न क भा वा पा आ मु वा
आ या न आ थ



अरु वरु पत्र स गव दन
नकुसुमी ननः शस्य की खाय
कौ वा न क भा वा पा आ मु वा
आ या न आ थ



थरुग भवयापरासा
 कासुशानयापरासा
 नदीयाडा समसा
 नसथु हसपुमा
 मा

६	६	१०	१
५	२	५	२५
०	११	१३	नि
१४	२	२	१०

थरुगवपरासवरापरापनकुंमन
 मसिरनमिरनवासीसपुयावड
 दुकीसपुडायकासमडाडय
 डीरुसा



थरुगवपरासवरापरापनकुंमन
 रनशायसानसायाअ
 सिधरनपुसायायनाम
 कासपुयंकुदिनडा
 न
 श



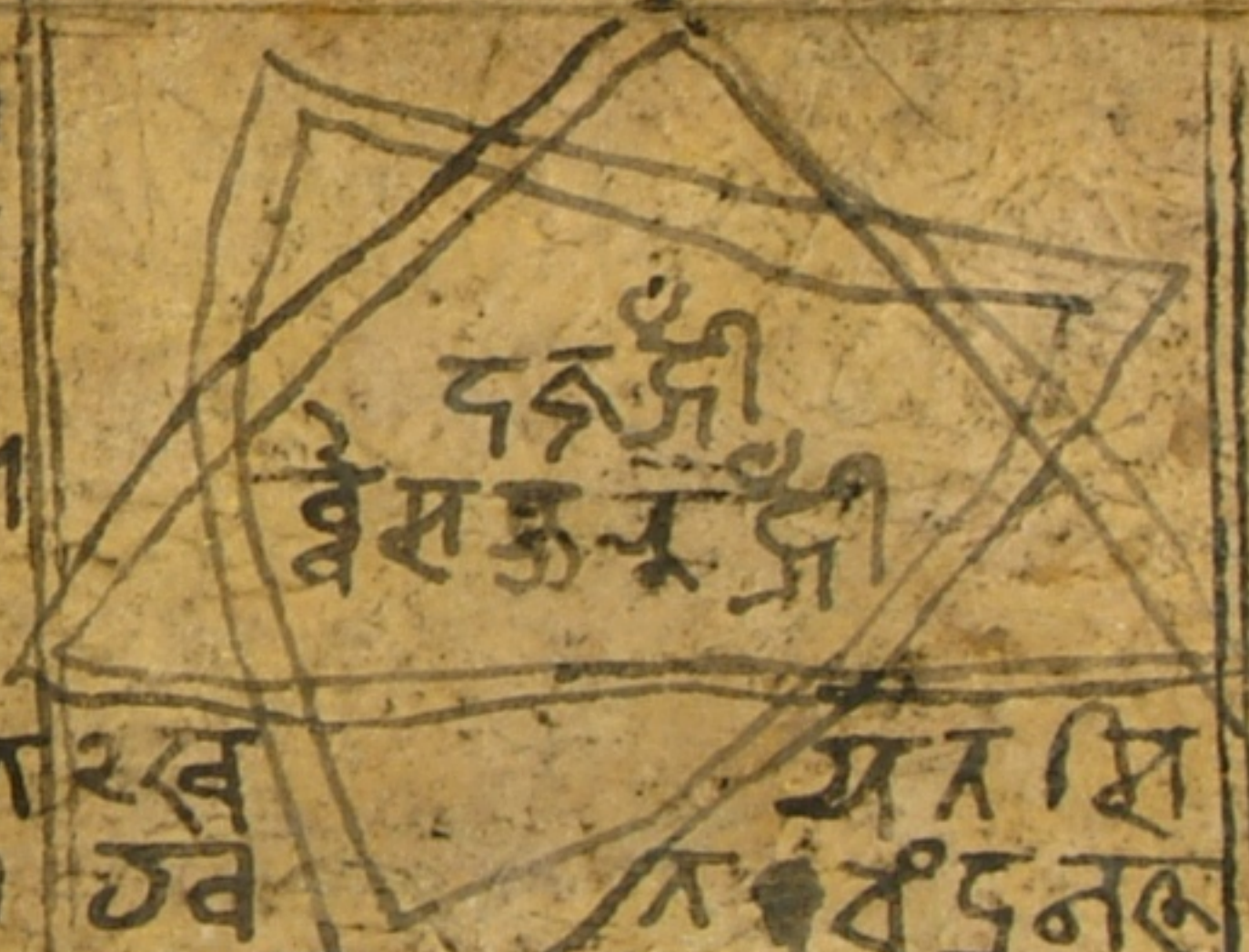
योपदयक



विरुतिरथरुनुधाया
 डाथमनुपरावाधा
 नप्रायुदयीडीनाव
 कानाडानसथनकी
 डीरु



यदितःथरुकाःनथमनकुंसाय
 दितः
 रसायायःमिसा



यदितःथरुकाःनथमनकुंसाय
 दितः
 रसायायःमिसा

मनसा मनसा

॥ ॐ ॥

सुखं शान्तं

विदुषो यथा



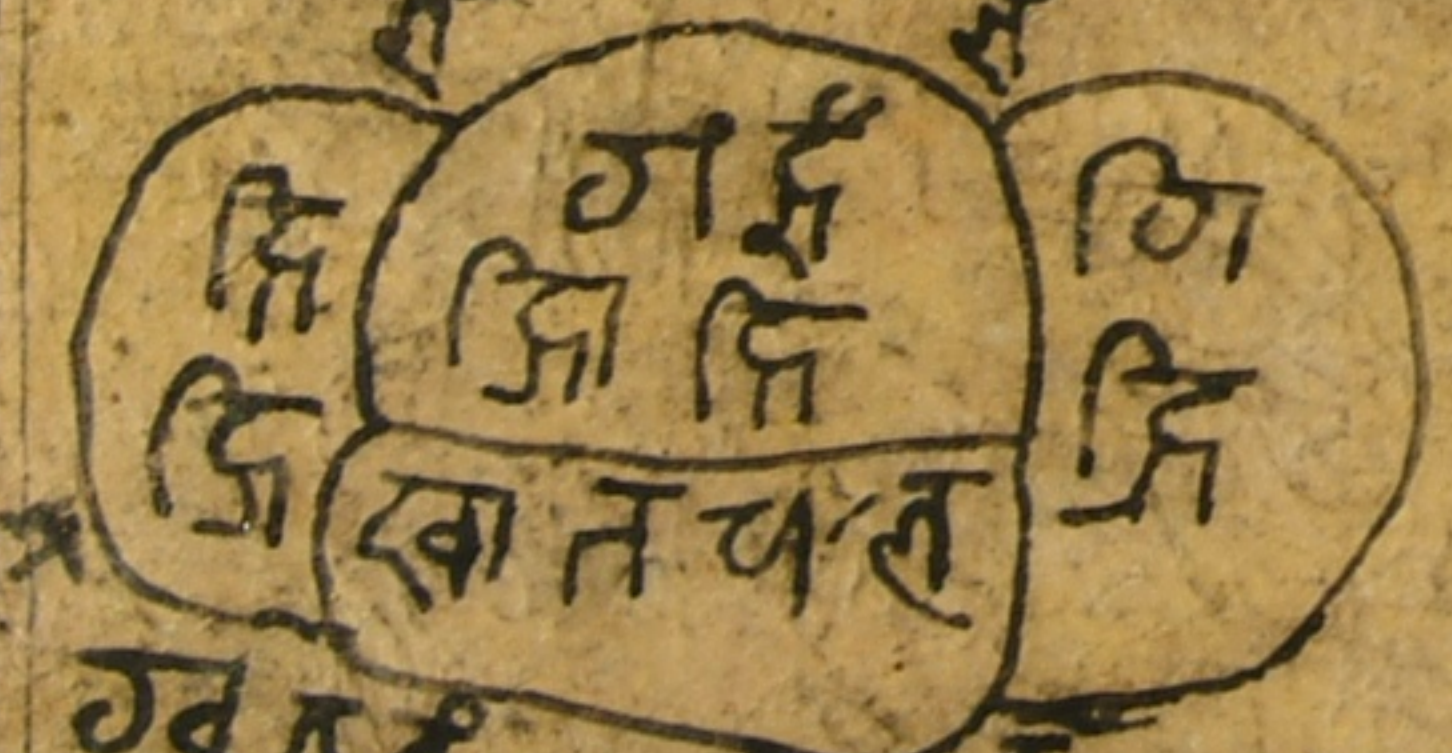
यः श्रुत्वा पुरः शरीरः स
मसान् सधुः शान्तः
न विगतः सधुः वक्रः

मया शिवा विवर्तः कुरु
मः श्रुत्वा नः शीघ्रः
सः श्रुत्वा शान्तः सधुः वक्रः



कुरु शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु

कुरु शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु



कुरु शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु

कुरु शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु
मया शिवा विवर्तः कुरु



ॐ ह्रीं क्लीं



का
वर्तवः क्लृप्तिः क्लृप्ता
क्लीं काः पुकाः आकुः म
अदि। वाव मातवा
इति

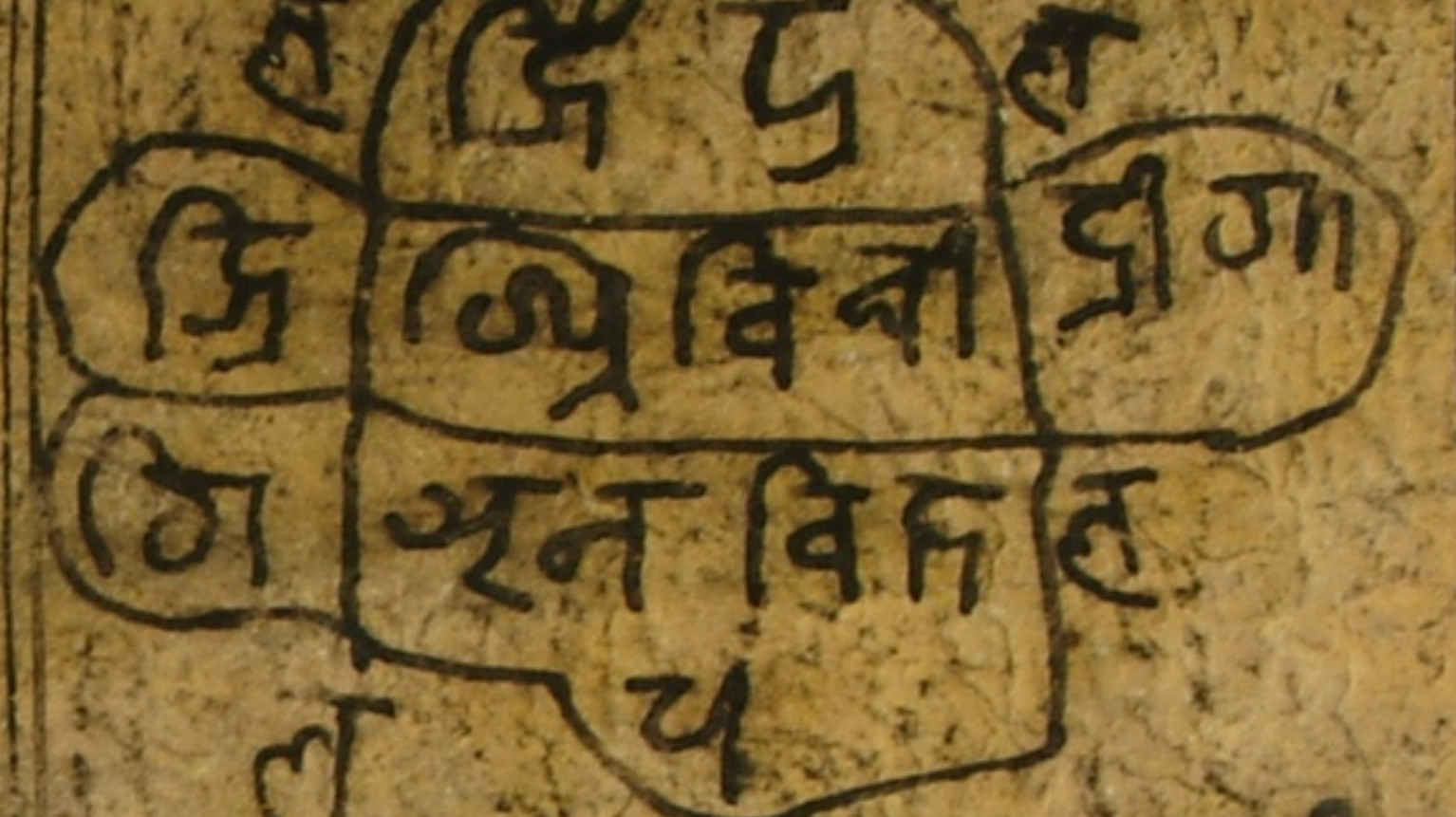
ॐ ह्रीं क्लीं



काः पुकाः आकुः म
वन म वृ या य म रु य
क्लीं ताः थव कु इति

ॐ ह्रीं क्लीं

दि म विक्ता विना ग
ना स प क ता म र्त्त नि
इति वा द्वा ॥ धर्म न य

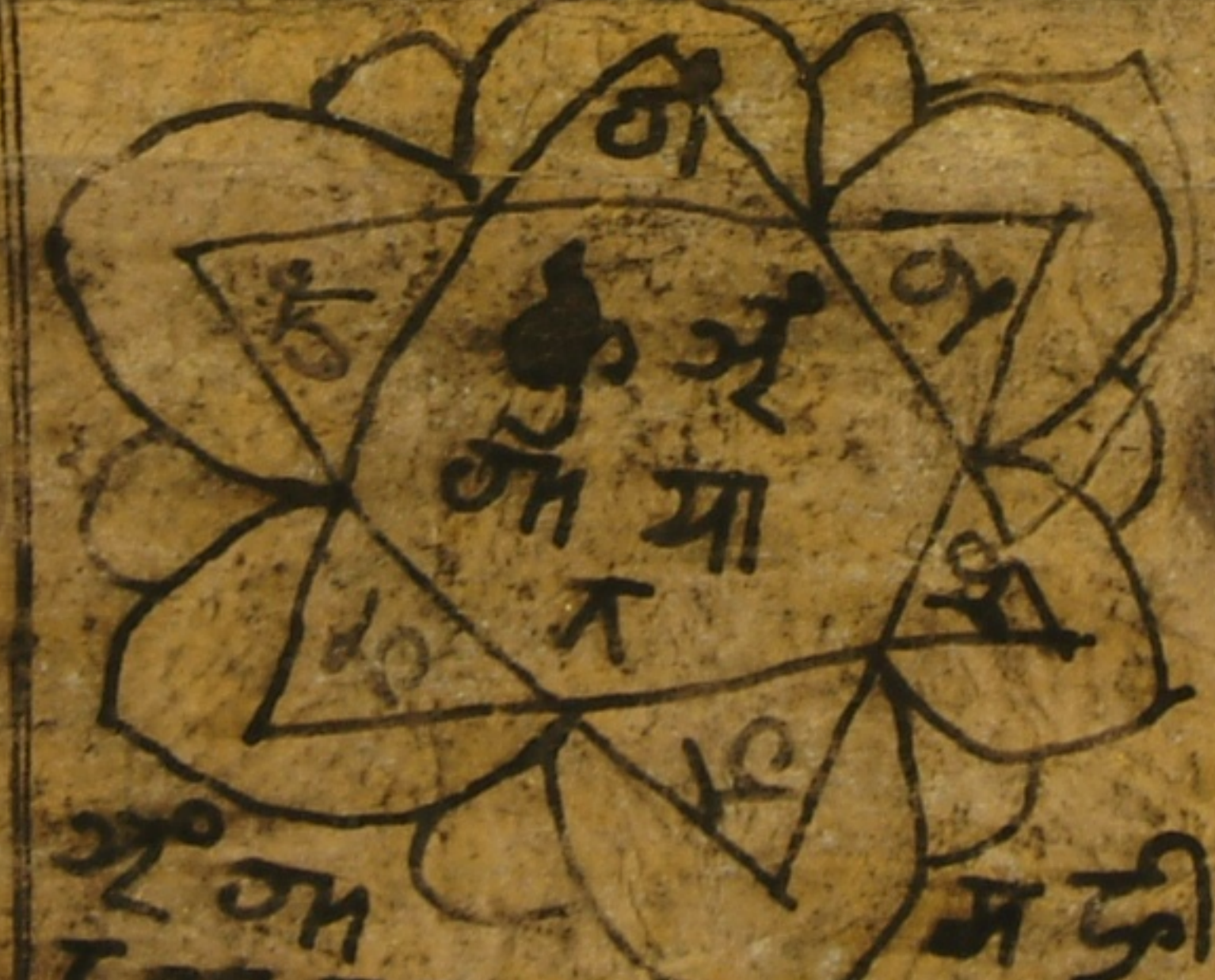


वृत्त प ॥ म वा य वर्तवः
क्लीं काः पुकाः आकुः म

ॐ ह्रीं क्लीं



म क्लृप्तिः क्लृप्ता
मा म क्लृप्तिः क्लृप्ता
जा या म क्लृप्तिः क्लृप्ता
थद कु त वा स प र्त्त या य म



म क्लृप्तिः क्लृप्ता
मा म क्लृप्तिः क्लृप्ता
जा या म क्लृप्तिः क्लृप्ता
थद कु त वा स प र्त्त या य म



म क्लृप्तिः क्लृप्ता
मा म क्लृप्तिः क्लृप्ता
जा या म क्लृप्तिः क्लृप्ता
थद कु त वा स प र्त्त या य म

ॐ ह्रीं क्लीं

तस्यस्त्रिंशतिगते सायनमे॥



श्रीहर

सिकसुनहोशु

मानुकवृच

६८३६॥६८३६॥

दुषनहोशु

गगनहोशु

ॐ क गूया नूगलमहिगूया
नकोइलजुहं

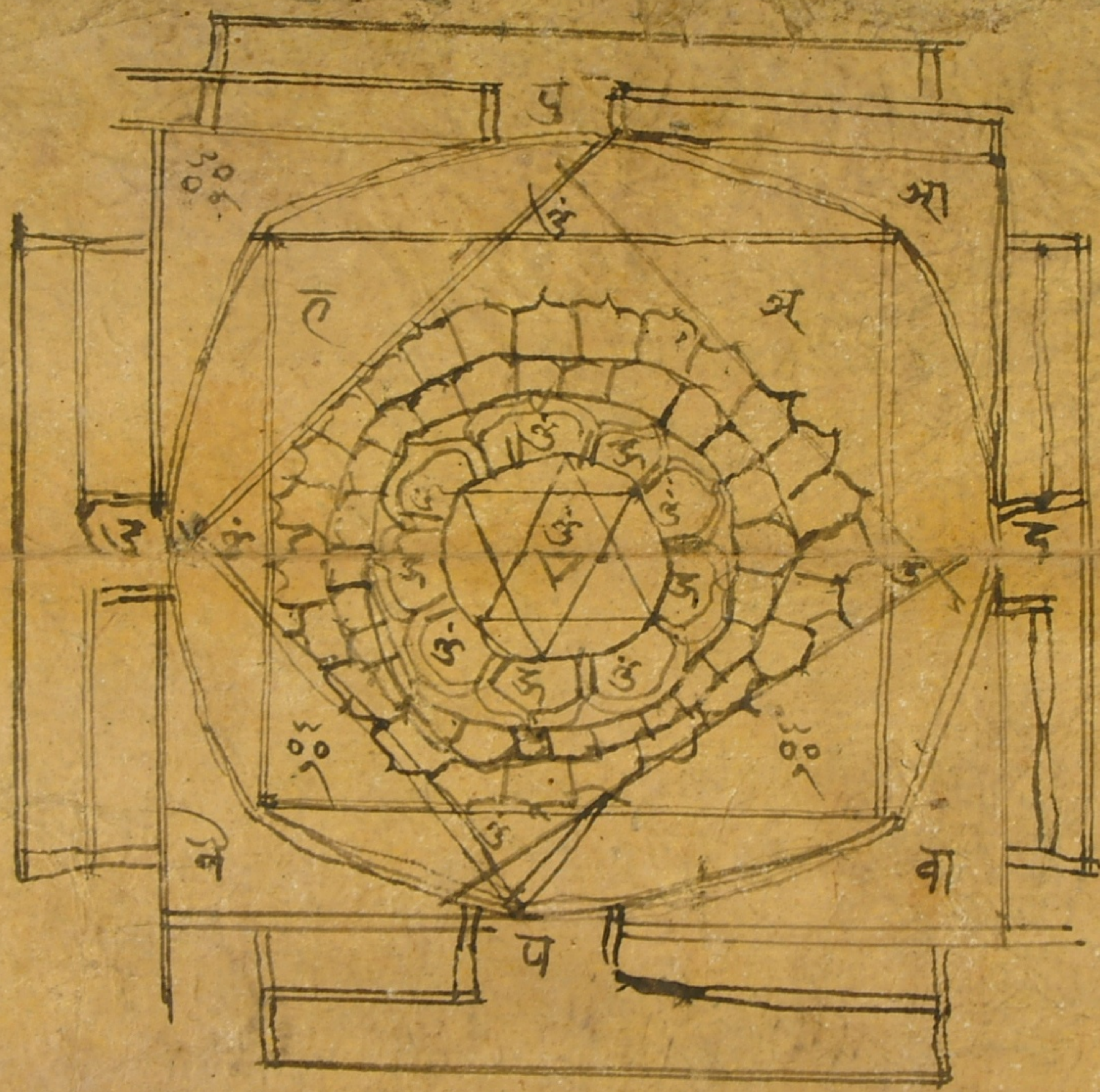


कासामखकोवामा



४	२	६	३
०	१९	९०	३
५	६०	८	३





ॐ किं किं किं किं किं किं किं किं किं किं
 किं किं किं किं किं किं किं किं किं किं
 किं किं किं किं किं किं किं किं किं किं

किं किं किं किं

ॐ

एतयगुसभाहवजनुवसिकन ॥



ॐ सर्वकामवस्यकरनामः माहय २ आकन
 धाय २ स्वाहा ॥ धात १ धर्मनगवानः श्व
 धनयानाडानक गिरी वंशजुयुव
 ॐ वर्जवै आचनिया ॥ दवदत माहय किं किं
 स्वाहा ॥ धात १ ॥ स्वानजयलया व धर्मनकु
 यः सर्वमाहजुयुजाल

ॐ चक्रमृनिः गुरु आह्ला ॐ कम् र म ह मी ह च गा
 गाडानकि चुन वरुन स्वाहा ॥ धात ३ धनिके सनः र
 पके सनः मेन सितः कपूरः जगत् अकपूर ३ ना
 म ॥ कमल ॥ जक १ ॥ गन सयाक जयया ड
 ॐ धग्वस्य काल ॐ क्ता सिसावस्यजुयुव

ॐ गुरु आगवाः चगावजयगतन रुद गिनि कावद पिह्ला
 ॐ रुत विरूया कवाचा गुरु आह्ला ॥ धात १ धर्मनगव
 जयलया व नक वंशजुव

ॐ सिद्धिदायनिः सिद्धी २ चिलि ३ बिलि ४ रू ६ स्वाहा ॥ धान ५ नसाजयनकः कुसुमदयक मरुथ्व
ॐ दकिनि आयनः कननिः आयना विद्याः आयनः सिंहासनः तचागाः गमलकुर्मनक छा हा ॥
धान १ ॥ ध्वर्मनः जयलपाडाः जययायः नकुनि चूकः हाकूहनूः कफिः तयात्र डगयायवा
कर्सिनमय्यानातगुलिकायः रुदयाय ॥ ॥ ॥ श्रीगुरु आरूः ॐ रूं नूं कूं रूं गनकं
कालिः ऊं रूं धालत ॥ वसधानगूचाकयात्र वायासकुलः वायाचाहिवजूलः ॥ ॥

अथनाटिपटिका

अग्निक्लानासनसाः कलषपुगुयाथ्व १
द्वपालोयनीः नीर्वययायः दपूजानवहनपुयाः वाताधिक—
चोपानवहपुयाः विरुधिकयाः चोपिनवहपुयाः उल्लभपा॥
शागुलिनवहपुयाः सत्रिपानया॥ हनानाडिलिहासनसा
वा ~~नावध~~ ॥ निरुस्थ सनसाः अजिष्टः कादमरुया॥
ककुल्लाः जामपिकसनसाः गृहनीया॥ सगुथसनसाः
वेत्रवेत्रसनसाः मनुष्यादुरवसिय॥

छापया ६ जोहनुवासद वा. रनयनरुनसिया। ताव. वंग
नसनसा. कामकोध ॥ थूकुरनसडया रुसकन. प्वाथस्याकया।

क्रानासनसा. नागदोष ॥ कंक. उलासनसा. किमिया ॥

किनरुसा. ३। पिवागुया। तवकसन. नागकसन. गुंगुवकसन.
गोखद. नकचदन. उणमास. कंकुम. सिल. ऐनवधुपकोभाग











